हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 198 | कानपुर, शनिवार 16 जुलाई 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्य : 2 रुपये

प्रधानपति पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

पीएम मोदी आज बुंदेलखंड की जनता को देंगे एक्सप्रेस-वे का तोहफा, जालौन में होगा भव्य समारोह

प्रधानमंत्री नरेन्ध्र मोदी का आज यूपी में दूसरा दौरा है। पीएम नरेन्द्र मोदी 16 जुलाई यानी आज जालौन में बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे का लोकार्पण करेंगे। इससे पहले सात जुलाई को पीएम मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को 1700 करोड़ से अधध्कि की सौगात दी थी। अब तोहफा मध्लिने की बारी बुंदेलखंड क्षेत्र की है। पीएम मोदी के ये दोनों दौरे 2024 लोकसभा चुनाव को ध्ध्यान में रखकर भी देखे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 296. 07 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को जनता को समर्पित करेंगे। उनका जालौन में एक्सप्रेस–वे के लोकार्पण का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री ने इसका शिलान्यास भी किया था। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने लोकापर्ण की सभी तैयारध्यिां पूरी कर ली हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे भरतकूप के पास ग्राम गोंडा चित्रकूट में झांसी इलाहाबाद राजमार्ग से प्रारंभ होता है। इटावा की तहसील ताखा के ग्राम कुदरेल के पास आगरा लखनऊ एक्सप्रेस–वे में मिलता है। हम आपको कुछ तस्ध्वीरों के जरध्एि बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे की खूबसूरती दध्खिाने जा रहे हैं। इस एक्सप्रेस वे पर चार स्थानों पर फ्यूल पंप स्थापित करने की कार्रवाई प्रक्रिया में है। पीएम मोदी के इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक तथा औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर यहां पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का लोकार्पण किया था। बुंदेलखंड एक्सप्रेस –वे का लोकार्पण की तरह भी पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे लोकार्पण की तरह भव्य समारोह में होगा। दरअसल, उत्तर प्रदेश में सबसे पिछड़े क्षेत्रों की बात करें तो उनमें सबसे पहले बुंदेलखंड का नाम लिया जाता रहा है। औद्योगिक विकास यहां ठप रहा है, जिसकी बड़ी वजह खराब रोड कनेक्टिविटी

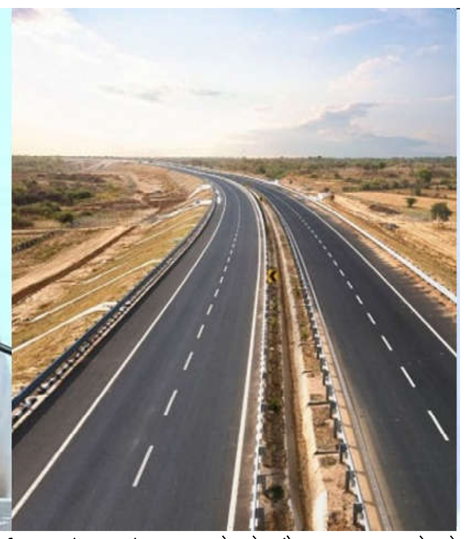

को माना जा सकता है। प्रदेश में जब योगी सरकार ने 2017 में सत्ता संभाली तो श्सबका साथ, सबका विकासश की नीति पर चलते हुए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे बनवाने की भी घोषणा कर दी, ताकि इस क्षेत्र का संपूर्ण विकास कराया जा सके।

29 फरवरी, 2020 को पीएम मोदी ने परियोजना का शिलान्यास किया और अब यह बनकर तैयार है। योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में सबसे पहले सबसे बड़ा उपहार बुंदेलखंड क्षेत्र को ही देने जा रही है। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त अरविंद कुमार मानते हैं कि बेहतर रोड कनेक्टिविटी किसी भी क्षेत्र का औद्योगिक विकास कराने के लिए बहुत आवश्यक है। यह एक्सप्रेस–वे शुरू हो जाने के बाद बुंदेलखंड क्षेत्र के छोटे–छोटे जिले भी आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे के माध्यम से लखनऊ और दिल्ली से जुड़ जाएंगे। इससे निवेशकों का इस क्षेत्र की ओर आकर्षित होना स्वाभाविक है। वह कहते हैं कि सरकार की योजना सभी एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित करने की है। इससे वहां औद्योगिक इकाइयां लगेंगी और लाखों की संख्या में रोजगार के अवसर तैयार होंगे।

सहकारी बैंक के ग्राहकों के लिए अमित शाह का बड़ा ऐलान

सरकार की तरफ से देश की जनता के लिए लगातार कल्ध्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं. इसी के तहत अब सहकारी बैंकों के ग्राहकों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिलेगा. इसके लिए सहकारी बैंकों को डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर से जोड़ने का प्ध्लान है. हाल ही में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही । सरकार के 52 मंत्रालयों की तरफ से मौजूदा समय में संचालित 300 योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्ध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है. अब इन सभी योजनाओं का फायदा सहकारी बैंकों के ग्राहकों को मिलेगा. केंद्रीय मंत्री ने कहा कध्ि बैंकिंग क्षेत्र में पहले की बजाय बहुत सुधार हुआ है. इससे देश के नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल रहा है । उन्ध्होंने कहा जनधन योजना के चलते 45 करोड़ नए लोगों का बैंक खाता भी खुला है. इसी तरह 32 करोड़ लोगों को रूपे डेबिट कार्ड का लाभ भी मिला है. पीएम मोदी के 'सहकार से समृद्धि का संकल्प' से यह सब हुआ है. सहकारध्तिा मंत्री ने कहा देश की समृद्धि और आर्थिक उत्थान में सहकारिता क्षेत्र का अहम योगदान होगा. पीएम जनधन योजना के तहत खोले गए करोड़ों नए खातों का डिजिटल लेन–देन एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है. वर्ष 2017–18 के डिजिटल लेन–देन के मुकाबले इनमें 50 गुना की बढ़ोतरी हुई है ।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तंज, क्या युवा आपके झूठ लिए असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल कर सकते हैं

देश में बढ़ती बेरोजगारी पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कटाक्ष करते हुए कहा, क्या प्रधानमंत्री के झूठ के लिए देश के नौजवान असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

दरअसल, राहुल गांधी ने कथित तौर पर दोगुनी बेरोजगारी दर को लेकर ट्वीट किया। इसमें उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसा। राहुल गांधी ने ट्विटर पर जो ग्राफ साझा किया उसमें दर्शाया गया है कि वित्त वर्ष 2017–18 में 20 से 24 साल के नौजवानों के बीच बेरोजगारी दर 21 प्रतिशत थी जो वित्त वर्ष 2021–22 में बढ़कर 42 प्रतिशत हो गई। इस पर राहुल गांधी ने कहा, क्या प्रधानमंत्री के झूठ के लिए देश के नौजवान भी गुमराह, विश्वासघात और धोखे जैसे असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल कर सकते हैं। राहुल गांधी ने सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकॉनमी के आंकड़ों का हवाला देते हुए ग्राफ साझा किया है।

सीएम योगी ने सिविल अस्पताल में किया मुफ्त प्रिकॉशन डोज का शुभारंभ, ब्रजेश पाठक ने लगवाई डोज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष पर प्रिकॉशन डोज का विशेष अभियान भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया है। 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र लोगों को जिन्होंने कम से कम 06 माह या 26 सप्ताह पूर्व वैक्सीन की दूसरी डोज ले ली है, उन्हें अब प्रिकॉशन डोज अमृत डोज के रूप में निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय भारत सरकार ने लिया है। 75 दिनों का यह विशेष अभियान 30 सितम्बर, 2022 तक संचालित किया जायेगा। इस दौरान प्रदेश में 12 करोड़ 08 लाख 21 हजार 597 लोग प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र होंगे। उधर, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सिविल अस्पताल में बूस्टर डोज लगवाई और लोगों से समय आने पर बूस्टर डोज लगवाने की अपील की। लखनऊ में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में निशुल्क प्रिकॉशन डोज अभियान के शुभारम्भ पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश जिस लड़ाई को लड़ रहा है, वह सफलता की नई ऊंचाई को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। दुनिया में भारत के कोविड प्रबन्धन को सर्वत्र सराहा गया है। सर्वाधिक कोविड वैक्सीनेशन की डोज देने वाला भारत दुनिया का एक प्रमुख देश है। भारत ने जिस प्रभावी ढंग से देश के 135 करोड़ लोगों को वैक्सीन उपलब्ध करायी है वह दुनिया के लिए बहुत कौतूहल व आश्चर्य का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्री में वैक्सीन, सबको वैक्सीन देश में मिल रही है। उत्तर प्रदेश आबादी की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। भारत सरकार ने चरणबद्ध ढंग से कोविड वैक्सीनेशन का जो कार्यक्रम घोषित किया, उसे उत्तर प्रदेश में आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। यही कारण है कि अब तक प्रदेश में 18 वर्ष से

अधिक आयु वर्ग के 104 प्रतिशत लोगों ने वैक्सीन की प्रथम डोज तथा 98.11 प्रतिशत लोगों ने द्वितीय डोज प्राप्त कर ली है। 15 से 17 आयु वर्ग के शतप्रतिशत किशोर बच्चों ने वैक्सीन की प्रथम डोज ले ली हैं तथा 90 प्रतिशत किशोर वैक्सीन की द्वितीय डोज प्राप्त कर चुके हैं। 12 से 14 आयु वर्ग के 98.3 प्रतिशत बच्चों ने प्रथम डोज तथा 78.3 प्रतिशत बच्चों ने द्वितीय डोज प्राप्त कर ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रिकॉशन डोज का यह विशेष अभियान निःशुल्क है। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रदेशवासियों से अपील की कि आजादी के अमृत महोत्सव पर 75 दिनों के प्रिकॉशन डोज के इस कार्यक्रम में, पात्रता की श्रेणी में आने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोग, कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए वैक्सीनेशन जरूर करवाएं।मुख्यमंत्री जी ने कोरोना वैक्सीनेशन के प्रिकॉशन डोज अभियान की शुरूआत करते हुए सिविल अस्पताल में वैक्सीन लगवाने आये लोगों एवं वहां उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि कोरोना पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन वायरस कुछ कमजोर हुआ है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से सावधानी और सतर्कता बरतने की अपील की।

अरुणाचल-असम सीमा विवाद पर बड़ी खबर, समस्या के समाधान के लिए दोनों राज्यों के सीएम की अहम बैठक

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नामसाई में अरुणाचल प्रदेश–असम सीमा मुद्दे पर अहम बैठक की। इस दौरान सीएम खांडू ने कहा कि यह विवाद अब सात दशकों से चल रहा है, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में हमें इसे टेबल पर हल करने की सलाह दी गई है। असम के सीएम हिमंत बी सरमा ने कहा कि 24 जनवरी को गुवाहाटी में हुई बैठक में हमने तय किया कि 123 गांवों के हमारे विवाद को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, जो भी संकल्प होगा, वह इन गांवों तक ही सीमित रहेगा। 20 अप्रैल को हमने फैसला किया कि दोनों राज्य अपनी क्षेत्रीय समितियों को सूचित करेंगे। इन क्षेत्रीय समितियों के पास 9 सूत्रीय संदर्भ होंगे। लोगों से, नागरिक समाज से बात करें और विवाद को सुलझाने के लिए हर गांव में जाएं। असम और अरुणाचल प्रदेश सरकार ने 12 समितियों को अधिसूचित किया, इन समितियों के 96 लोग आज यहां मौजूद हैं। सरमा ने कहा कि आज यह निर्णय लिया गया है कि 15 सितंबर तक इस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी है। सभी जिलों को एकता, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सूचित किया गया है। अकेले इन जिलों में कोई कमेटी नहीं जाएगी। दोनों राज्यों की समितियां साथ जाएंगी। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और

असम के बीच सीमा विवाद को हल करने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। अब सिर्फ 86 गांवों में विवाद है, 123 गांव में नहीं। यह ऐतिहासिक है। यह नामसाई घोषणा आगे की कार्रवाई के लिए भारत सरकार को भेजी जाएगी। अगर किसी गांव से 15 सितंबर से पहले कोई ठोस प्रस्ताव आता है तो हम उसे भी भेजेंगे। कुछ विवाद रहने पर बातचीत करने के लिए एक अंतरिम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं । उन्होंने कहा कि तब तक विकास गतिविधि, स्कूल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कें और यथास्थिति बनी रहेगी। हम लोगों को परेशान नहीं करेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने का था कि इस साल के भीतर इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा। हम उसे पूरा करने की कोशिश करेंगे।

शिंदे कैबिनेट में शामिल होगी मनसे, मंत्रिमंडल विस्तार से पहले राज ठाकरे से मिले फडणवीस

महाराष्ट्र में सियासी उलटफेर के बाद शुक्रवार को राज्य के डिप्टी सीएम व भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे से उनके घर पर मुलाकत की। राज ठाकरे के दादर स्थित निजी आवास पर दोनों के बीच डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई। मंत्रिमंडल विस्तार से पहले दोनों के बीच हुई मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि राज ठाकरे की पार्टी मनसे एकनाथ शिंदे कैबिनेट में शामिल हो सकते हैं। अटकलें हैं कि राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को कैबिनेट मंत्री बनाया जा सकता है। हालांकि, इस पर अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। कहा जा रहा है कि फडणवीस, राज ठाकरे का हाल जानने के लिए उनके घर पहुंचे थे। दरअसल,

ठाकरे की कुछ समय पहले ही एक सर्जरी हुई थी। इससे पहले महाराष्ट्र में सियासी संकट के समय भी एकनाथ शिंदे की राज ठाकरे से बातचीत की खबर सामने आई थी। हालांकि, तब यह कहा गया था कि शिंदे ने ठाकरे की तबीयत जानने के लिए फोन किया था। बता दें, राज ठाकरे लगातार उद्धव ठाकरे पर हिंदुत्व के मुद्दे को लेकर हमलावर हैं। एकनाथ शिंदे ने भी हिंदुत्व को लेकर सवाल खड़े किए थे।

सम्पादकीय

तमिलनाडु की राजनीति में हलचल

दिवंगत जयललिता की पार्टी एआइएडीएमके (अन्ना द्रमुक) में बिखराव स्पष्ट रूप से सामने है. पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी पलानीस्वामी ने 'अम्मा' की विरासत पर कब्जा कर लिया है. इस पार्टी के दो करोड़ काडर हैं और इसमें कोई परिवारवाद और वंशवाद नहीं है. ऐसे में सवाल है कि आखिर बिखराव क्यों हुआ. इसका उत्तर सरल हैरू दो जातियों– थेवर और गाउंडर– के बीच जारी लड़ाई. पलानीस्वामी गाउंडर जाति से आते हैं. अन्ना द्रमुक के दूसरे प्रमुख नेता ओ पनीरसेल्वम हैं, जो थेवर जाति से हैं. तमिलों के लिए यह आंतरिक लड़ाई नयी बात नहीं है. लेकिन जयललिता के विराट व्यक्तित्व के कारण पलानीस्वामी व पनीरसेल्वम पार्टी के भीतर ही झगड़ते थे, जैसे कभी मध्य प्रदेश में कांग्रेस में सिंधिया, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच तनातनी चलती थी.

जयललिता और करुणानिधि जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद से तमिलनाडु की राजनीति बड़े बदलावों से गुजर रही है. यदि किसी को इस राज्य की राजनीति को समझना है, तो उसे वहां की प्रभावशाली जातियों के बारे में जानना चाहिए. छह बड़ी जातियों में से थेवर समुदाय को अन्ना द्रमुक का करीबी माना जाता है. अन्ना द्रमुक के कमजोर होने से द्रमुक को अल्पकालिक लाभ मिल सकता है, पर द्रमुक को भी यह चिंता करनी चाहिए कि अन्ना द्रमुक द्वारा खाली की गयी विपक्ष की जगह पर कौन सी राजनीतिक शक्ति काबिज होगी.

हाल तक पार्टी को पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम संयुक्त रूप से चला रहे थे, जो भारतीय राजनीति में एक अनूठा प्रयोग था, पर अब पलानीस्वामी ने अन्ना द्रमुक का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है और पनीरसेल्वम को निष्कासित कर दिया है. इन दोनों नेताओं ने वीके शशिकला को बाहर रखने के लिए हाथ मिलाया था, जो उस समय जेल में थीं. साल 2016 में जयललिता की मौत के बाद शशिकला ने पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली थी, पर फरवरी, 2017 में उन्हें चार साल की जेल हो गयी. पर अगर इतिहास के आधार पर देखा जाए, पार्टी के नेतृत्व की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है. भले ही पार्टी कमिटियों ने एक फैसला ले लिया है, लेकिन पनीरसेल्वम अपनी ताकत का परीक्षण काडरों के बीच कर सकते हैं. पार्टी के भीतर के त्रिकोणीय संघर्ष में पलानीस्वामी ने खेल कर दिया है. इस पार्टी के भीतर होनेवाली हलचलों जैसे उदाहरण भारतीय राजनीति में बहुत ही कम हैं. ये दोनों नेता एक समय शशिकला की पसंद रह चुके हैं. जब जयललिता मरणासन्न थीं, तो पनीरसेल्वम उनके चयनित उत्तराधिकारी के रूप में मुख्यमंत्री पद के लिए पहली पसंद थे, क्योंकि दो अवसरों पर जयललिता उन्हें कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री बना चुकी थीं. शशिकला को बाहर करने के बाद पलानीस्वामी ने सरकार पर अपनी पकड़ मजबूत की और उनके समर्थकों को अपने पाले में लाकर पनीरसेल्वम को हाशिये पर धकेल दिया.

जयललिता की मृत्यु के बाद सुपरस्टार रजनीकांत उस जगह को लेना चाहते थे, पर उन्हें द्रमुक ने धमका कर राजनीति में आने से रोक दिया. इस प्रकरण के राजनीतिक कारणों का पता कई स्थानीय नेताओं को है. एमजी रामचंद्रन की मौत के बाद जब अन्ना द्रमुक में टूट हुई थी, तब अधिकतर वरिष्ठ नेता उनकी पत्नी जानकी रामचंद्रन के साथ थे, लेकिन अंततरू जयललिता की जीत हुई. परंतु पनीरसेल्वम और पलानीस्वामी के पास जयललिता जैसा करिश्मा नहीं है तथा काडर इस बात से बेचौन हो सकते हैं कि कई दशकों के बाद पार्टी के पास कोई बेहद लोकप्रिय नेता नहीं है. ऐसी स्थिति में नया जातिगत या क्षेत्रीय विभाजन उभर सकता है. पनीरसेल्वम और शशिकला (दोनों थेवर हैं) एक साथ आकर अन्ना द्रमुक के सामाजिक आधार में सेंध लगा सकते हैं. पिछले साल हार के बावजूद पार्टी के अच्छे प्रदर्शन का एक कारण अच्छे प्रशासक के रूप में पलानीस्वामी की छवि को माना जा सकता है. जयललिता मजबूती से सत्ता में वापसी करती थीं और पार्टी को ऐसी ही उम्मीद अपने नये मुखिया से होगी. अन्ना द्रमुक की फूट द्रमुक के लिए खतरा हो सकती है. जिस प्रकार महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे ने गठबंधन पर अपने बेटे आदित्य ठाकरे को थोपा था, उसी तरह द्रमुक नेता एमके स्टालिन अपने बेटे उदयनिधि को आगे बढ़ा सकते हैं, जो अभी विधायक और द्रमुक की युवा इकाई के सचिव हैं. अगले साल के शुरू में उन्हें तमिलनाडु का उप मुख्यमंत्री बनाया जायेगा. तब असली राजनीति शुरू होगी. पार्टी में जरूर एकनाथ शिंदे प्रकरण दोहराया जायेगा. अन्ना द्रमुक के विभाजन पर भाजपा का संभावित रुख स्पष्ट है. साल 2019 और 2021 के चुनाव में अमित शाह का सूत्र था कि सभी गुट एकजुट होकर जयललिता की विरासत को आगे ले चलें. या फिर सभी तीन धड़े एनडीए के बैनर तले सहयोगी बनें. भाजपा के स्थानीय नेता के अन्नामलाई पूरे राज्य का दौरा कर रहे हैं. गुटों में बंटी भाजपा में अब अकेले लड़ने का दम है. पार्टी के पास राज्य में सात प्रतिशत वोट हैं. मोदी करिश्मा इसे 10 प्रतिशत पर ले जा सकता है ताकि अन्ना द्रमुक और कांग्रेस के राष्ट्रवादी समूह भाजपा में शामिल हो सकें. चाहे जो हो, पलानीस्वामी बड़े नेता के रूप में उभरेंगे और द्रमुक नेता एमके स्टालिन को कड़ी चुनौती देंगे. पर पार्टी से बाहर किया गया पनीरसेल्वम खेमा भी चुप नहीं बैठेगा.

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा ।

=== हकीकत में महंगाई ===

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने हाल ही में जून महीने के खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। मई के मुकाबले जून में महंगाई की दर थोड़ी कम हुई। मई में महंगाई दर 7.04 फीसद थी जो जून में नाममात्र की गिरावट से 7.01 फीसद पर आ गई। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो महंगाई दर कम तो हुई है। सरकार के लिए यह राहत की बात हो सकती है। लेकिन सवाल है कि जून में महंगाई कम होने का क्या वाकई कोई असर दिखा? क्या आम आदमी को जरा भी लगा कि चीजों के दाम कम होने लगे हैं? बल्कि जिस तेजी से ईंधन और बिजली के दाम बढ़ रहे हैं, उससे तो लगता नहीं कि महंगाई कम हो रही है।जून में जो महंगाई दर नीचे आई है, उसका कारण सब्जियों के दामों में खासी गिरावट बताया गया है। दालों के भी दाम कम हुए हैं। जबकि अनाज के दाम साढ़े पांच फीसद और फल तीन फीसद ऊपर ही रहे। महंगाई में यह कमी इसलिए भी दिख रही है कि खुदरा महंगाई दर में साठ फीसद हिस्सा खाने–पीने की चीजों का होता है। लेकिन ईंधन और बिजली के वर्ग में दाम दस फीसद से ज्यादा बढ़ गए।

निश्चित ही इससे आम आदमी की जेब पर बोझ और बढ़ेगा। अब देखने की बात यह है कि महंगाई दर में कमी का यह रुख जुलाई में बना रहता है या नहीं। हालांकि खुदरा महंगाई दर अभी भी रिजर्व बैंक के निर्धारित दो से छह फीसद के दायरे से ऊपर ही बनी हुई है। वैसे भी रिजर्व बैंक कहता रहा है कि यह पूरा साल महंगाई में ही गुजरेगा और खुदरा महंगाई दर के नीचे आने के अभी आसार हैं नहीं। जो कुछ असर दिखेगा, वह चौथी तिमाही में जाकर ही दिखेगा। फिर इसी महीने से कई वस्तुओं पर बढ़ा हुआ जीएसटी लागू होने जा रहा है। हाल में जीएसटी परिषद ने पैकेट में आने वाले दूध, दही, छाछ, पनीर, आटा, मुरमुरे, सोयाबीन, मांस–मछली जैसी चीजों को पांच फीसद कर दायरे में ला दिया है। ये सारी चीजें वे हैं जो आम आदमी की रसोई से जुड़ी हैं। जीएसटी की ये दरें चार दिन बाद लागू हो जाएंगी। जाहिर है, अब गरीब को अपनी जेब से पैसा और निकालना पड़ेगा।

यानी जुलाई में खुदरा महंगाई को बढ़ने से रोक पाना किसी के हाथ में नहीं होगा। सरकार खुश हो सकती है कि महंगाई दर नीचे आई। पर सवाल है कि आम आदमी कैसे खुश हो और मान ले कि महंगाई दर की नरमी से उस पर कोई फर्क पड़ेगा? क्या पेट्रोल–डीजल के दाम कम हुए? सामान की ढुलाई कम हुई? खानपान का सामान बेचने वाली कंपनियों ने क्या अपने किसी उत्पाद के दाम घटाए? क्या ऐसा कुछ हुआ जिससे लगे कि लोगों की आय बढ़ेगी? बेरोजगारी की स्थिति अभी भी कम चिंताजनक नहीं है। जिंसों के दाम भले कम होने लगे हों, लेकिन लगता नहीं है कि खाद्य सामान बनाने वाली कंपनियां बहुत जल्दी इसका फायदा उपभोक्ताओं को देंगी। ज्यादातर कंपनियां कच्चे माल की कमी और उसकी महंगाई का रोना रो रही हैं। ऐसे में चीजें कब और कितनी सस्ती होंगी, कह पाना आसान नहीं है। तीन महीने बाद त्योहारों का मौसम शुरू हो जाएगा। लेकिन तब तक महंगाई अपना क्या रुख दिखाती है, यह देखना होगा। महंगाई दर कम होने का मतलब तभी है, जब आमजन की जेब पर उसका फायदा दिखे, जो कि अभी दिख नहीं रहा।

बच्चे सुबह 7 बजे स्कूल जा सकते हैं, तो जज-वकील 9 बजे कोर्ट क्यों नहीं आ सकते?, जस्टिस ललित ने पूछा सवाल

अगर बच्चे सुबह सात बजे स्कूल जा सकते हैं, तो जज और वकील अपने दिन की शुरुआत सुबह 9 बजे क्यों नहीं कर सकते, सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस यूयू ललित ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की. जस्टिस ललित, एस रवींद्र भट और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने शुक्रवार को शीर्ष अदालत के सामान्य कामकाजी समय से एक घंटे पहले शुक्रवार को सुबह 9.30 बजे काम शुरू किया.

न्यायमूर्ति ललित ने कही ये बात

न्यायमूर्ति ललित, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश बनने की कतार में हैं, उन्होंने कहा, ष्मेरे विचार में, आदर्श रूप से हमें सुबह 9 बजे बैठना चाहिए. मैंने हमेशा कहा है कि अगर हमारे बच्चे सुबह 7 बजे स्कूल जा सकते हैं. तो हम सुबह 9 बजे क्यों नहीं आ सकते?ष यह टिप्पणी जमानत के एक मामले में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी द्वारा मामले की सुनवाई के अंत में सामान्य समय से पहले बैठने के लिए पीठ की सराहना करने के बाद आई है.

अदालत सुबह 9.30 बजे शुरू करने का उचित समय

उन्होंने कहा, ष्मुझे कहना होगा कि सुबह 9.30 बजे का यह समय अदालतें शुरू करने का अधिक उचित समय है.ष न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि अगर अदालतें जल्दी शुरू हो सकती हैं, तो वह दिन का काम जल्दी खत्म कर सकती हैं और शाम को न्यायाधीशों को अगले दिन मामले की फाइलों को पढ़ने के लिए अधिक समय मिलेगा.ष अदालतें सुबह 9 बजे अपना काम शुरू कर सकती हैं और आधे घंटे के ब्रेक के लिए 11.30 बजे उठ सकती हैं और फिर दोपहर 2 बजे तक दिन का काम खत्म कर सकती हैं. ऐसा करने से न्यायाधीशों को शाम को और काम करने के लिए अधिक समय मिलेगा.ष ललित ने कहा, यह व्यवस्था तब काम कर सकती है, जब केवल नए मामले हों, जिनमें लंबी सुनवाई की आवश्यकता न हो.

सीनियर वकील रोहतगी ने की इस पहल की तारीफ

सीनियर वकील रोहतगी ने कहा कि उम्मीद है कि अगस्त के अंत तक इन व्यवस्थाओं को और देखा जा सकता है. इस पर जस्टिस ललित ने कहा, यह

तो बस एक कैप्सूल है. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश सप्ताह के दिनों में सुबह 10:0 बजे से शाम 4 बजे तक मामलों की सुनवाई करते हैं. भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना 26 अगस्त को सेवानिवृत्त होने वाले हैं और न्यायमूर्ति ललित पदभार ग्रहण करेंगे और इस साल 8 नवंबर तक पद पर बने रहेंगे.

'जीएसटी के विरोध में सोमवार को गल्ला मंडी बंद का आह्वान

'हमीरपुर'–खाद्य पदार्थों में सरकार द्वारा लगाई गई जीएसटी के विरोध में मौदहा में आगामी 16 जुलाई को गल्ला मण्डी बंद करने का आह्वान किया गया है उक्त जानकारी गल्ला व्यापार मण्डल अध्यक्ष ने एक पत्र जारी कर बताई।

खाद्य पदार्थों जैसे आटा,दाल, चावल आदि अन्य खाद्य पदार्थों में केंद्र सरकार द्वारा आगामी 16 जुलाई से 5: जीएसटी लगाने की घोषणा की है जिसका विरोध शुरू हो गया है।जिसके चलते मौदहा के गल्ला व्यापार मण्डल के अध्यक्ष रामस्वरूप शिवहरे ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पहले आमजन के दैनिक उपयोग के खाद्य पदार्थों आटा, दाल,चावल, गुड आदि पर जीएसटी नहीं लगता था लेकिन केंद्र सरकार ने आगामी 16 जुलाई से इन चीजों पर भी जीएसटी लागू कर दी है जिससे महंगाई और भ्रष्टाचार दोनों को बढावा मिलेगा।जिसके विरोध में सभी गल्ला मण्डियों की भांति कस्बे की गल्ला मण्डी भी आगामी 16 जुलाई को बंद रहेगी।

'ट्रेन सेवा बहाल होने से लोगों ने ली राहत की सांस'

'हमीरपुर'– बीते चार दिनों से कानपुर के भीमसेन जंक्शन के निकट चल रहे काम के कारण ट्रेन सेवा पूरी तरह से बंद होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था इतना ही नहीं कानपुर और बांदा आने जाने वालों को जहां बसों में धक्के खाने पड़ रहे थे तो वहीं किराया भी अधिक देना पड रहा था जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था लेकिन चार दिन बाद ट्रेन सेवा एक बार फिर बहाल होने से मौदहा के क्षेत्रावासियों ने राहत की सांस ली है।

ज्ञानवापी केस में बयानबाजी करने के मामले में अखिलेश यादव और ओवैसी पर सुनवाई 2 मई को

ज्ञानवापी परिसर स्थित वजू स्थल पर गंदगी करने और बयानबाजी से हिंदू धर्मावलंबियों की धार्मिक भावना को आहत करने के मामले में कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. इसमें समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी समेत शहर काजी, मौलवी समेत दो हजार लोगों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गयी.

इस दौरान वादी पक्ष की तरफ से बताया गया कि इस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आरपी सिंह अत्याधिक बीमार हैं. इसलिए वे उपस्थित नहीं हो सके. ऐसे में कोर्ट ने इस मामले में 2 अगस्त की डेट दी है. शुक्रवार को एसीजेएम पंचम उज्जवल उपाध्याय की अदालत में सुनवाई होनी थी, लेकिन अदालत की कार्यवाही आरंभ होने के तत्काल बाद वादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह और घनश्याम मिश्र ने आवेदन देकर कहा कि मामले से जुड़े सुप्रीमकोर्ट के अधिवक्ता आरपी शुक्ला गम्भीर रूप से बीमार हैं. उनकी दिल्ली में डायलिसिस चल रही है. उन्हें ही मामले में रूलिंग भी दाखिल करनी है.

ऐसे में सुनवाई स्थगित कर कोई अन्य तिथि दिए जाने का कोर्ट से अनुरोध है. इस पर अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख दो अगस्त तय कर दी.

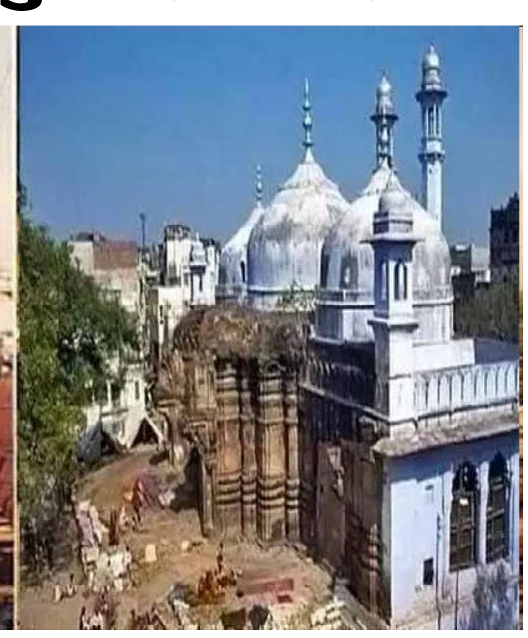

बेटी के ब्वॉयफ्रेंड को पिता ने गिरा-गिरा कर पीटा, बेटी को भी जड़े थप्पड़

कानपुर । मोतीझील के बाहर शुक्रवार दोपहर को फिल्मी नजारा देखने को मिला। बाइक सवार दंपती ने बेटी को मोहल्ले के लड़के के साथ देख भड़क गए। लड़के को बीच सड़क गिरा–गिरा कर पीटा। इतना पीटा कि नाबालिग के नाक से खून निकलने लगा और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों को हिरासत में लिया। मामला स्वरूप नगर थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को रायपुरवा निवासी नाबालिग प्रेमी जोड़े मोतीझील घूमने पहुंचे थे। दोनों मोतीझील के सामने एक मैगी की दुकान पर ऑर्डर देकर खड़े ही हुए थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे बाइक सवार दंपती ने अपनी बेटी को पहचान लिया। पिता ने बेटी को डांटते हुए बीच सड़क पर चार–छह थप्पड़ जड़े। जब तक उसके साथ मौजूद प्रेमी कुछ समझ पाता, उसे भी दबोच लिया। बीच सड़क लात–घूंसों से जमकर पीटा। इस दौरान भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने दंपती और प्रेमी जोड़े को हिरासत में लिया। किशोरी की मां ने बताया कि कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी। मोहल्ले के लड़के के साथ मोतीझील घूमने पहुंच गई। इससे गुस्साए पिता ने दोनों को पीटा। प्रेमी जोड़े रायपुरवा के एक ही मोहल्ले में रहते हैं। दोनों में पहले दोस्ती थी, फिर प्यार परवान चढ़ गया। दोनों घर वालों से छिप–छिप कर बाहर एक–दूसरे से मिलने लगे थे। लड़की के माता–पिता ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया।

इसलिए पिटाई की थी। मगर, दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। इसके चलते कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सड़क हादसे में 3 दोस्तों की मौत, एक बाइक पर सवार थे सभी

कानपुर । शुक्रवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। जबकि एक युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना प्रयागराज नेशनल हाईवे की है। पुलिस के मुताबिक, महोली गांव के रहने वाले तीन युवक दोस्त थे। तीनों एक बाइक से सरसौल कानपुर बाजार करने जा रहे थे। उसी दौरान फतेहपुर से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन आ रहा था। वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान अनिरुद्ध (44), संदीप दिवाकर (26) व जीशान अहमद के रूप में की है।

मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुरवामीर चौकी इंचार्ज चंद्रकांत मिश्रा ने कहा कि परिजनों को सूचना दी गई है। परिजनों की तहरीर अभी तक नहीं मिली है। तहरीर मिलने के आधार पर आरोपी वाहन चालक की तलाश की जाएगी।

प्रधानपति पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

ईंट पत्थरों से हमला कर किया था घायल

कानपुर । नरवल के खरौटी गांव में प्रधानी चुनाव और अन्य रंजिश के चलते भाजपा नेता और प्रधानपति पर किए गए जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी को चचेरे भाई समेत महराजपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाकी अभियुक्तों की तलाश में पुलिस लागतार जुटी हुई है। महाराजपुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम प्रधान चुनाव और अन्य विवादों में चली आ रही रंजिश में खरौटी निवासी राजेश तिवारी पर रामपुर रोड़ पर हमला बोल दिया था। हमलावरों ने ईंट पत्थरों से राजेश को बुरी तरह से घायल कर दिया। राजेश तिवारी निजी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं। जहां उनका इलाज चल रहा है। उनके जबड़े चेहरे और आंख में गंभीर चोट है। प्रधानपति के परिजनों की तहरीर में नामजद आरोपियों पर महाराजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

थाना महाराजपुर की पुलिस टीम ने 13 जुलाई बुधवार को दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान प्रकाश पुत्र स्व. श्यामलाल उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम खरौटी थाना महाराजपुर और राजू पुत्र बाबूराम उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम खरौटी थाना महाराजपुर के रूप हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने विधिक कार्रवाई की।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

फतेहपुर । एक युवक ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे उतरवाया। इसके बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के तुरबवली का पुरवा मोहल्ले का है। यहां के जावेद(35 वर्ष) गुरुवार रात खाना खाकर कमरे में सोने चला गया। देर रात उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह जब युवक देर तक नहीं उठा तो परिजन उसे जगाने गए। कमरे में उसका शव फांसी पर लटका मिला। युवक के आत्महत्या की जानकारी होते की आसपास के लोग उसके घर के बाहर इकट्ध्ठा हो गए। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि युवक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। आत्महत्या के कारण के बोर में पता नहीं चल सका है। मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल सकेगा। वहीं, युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

हेलमेट वितरित कर लोगों को यातायात सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

कानपुर । शुक्रवार को हेलमेट मैन के साथी अमित सिंह राणा ने निशुल्क हेलमेट बांटे। इस दौरान उन्होंने लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सभी लोग सड़क पर यात्रा करते समय नियमों का पालन करना शुरू कर दें तो निश्चित रूप से घटनाओं पर अंकुश लग सकती है। उन्होंने कहा कि बाइक चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, इसके अलावा हेलमेट अवश्य लगाएं। जब तक लोग जागरूक होकर वाहन नहीं चलाएंगे, तब तक सड़क दुर्घटना में कमी नहीं आ पाएगी। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में जितनी लोगों की स्वाभाविक मौत होती है, उससे ज्यादा मौतें सड़क हादसे में होती है। इन हादसों का कारण केवल लापरवाही है। यदि वाहन चालक परिवहन नियमों का पालन करके वाहन चलाए तो दुर्घटना में कमी लाई जा सकती है। अमित सिंह राणा हेलमेट मैन के रूप में देश भर अपनी पहचान बना चुके है राघवेंद्र सिंह के साथी हैं। वह नरवल तहसील के सवायजपुर गांव के रहने वाले हैं। इसलिए अपने गृह जनपद की ओर विशेष ध्यान देते हैं। रास्ते में मोटरसाइकिल में बिना हेलमेट के जा रहे अब तक करीब एक हजार लोगों को निःशुल्क हेलमेट वितरित कर चुके है।

देश में पहला केस आया सामने, मंकीपॉक्स के मद्देनज़र दिशानिर्देश जारी, इन लोगों से बचें

देश में मंकीपॉक्स का पहला मामला केरल में सामने आया है जिसके बाद सरकार सतर्क हो गयी है. इस बीच स्वास्थ्य–परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंकीपॉक्स के मद्देनज़र दिशानिर्देश जारी किया है. मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को बीमार लोगों के साथ निकट संपर्क से बचना चाहिए, मृत या जीवित जंगली जानवरों और अन्य लोगों के संपर्क में आने से बचना चाहिए.

देश में पहला केस मंकीपॉक्स का आया

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति से निपटने में अधिकारियों का सहयोग करने के लिए गुरुवार को केरल में एक उच्च स्तरीय बहु–विषयक टीम भेजी है. इससे पहले, केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा था कि विदेश से राज्य में लौटे एक 35 वर्षीय एक व्यक्ति में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. जांच में व्यक्ति में मंकीपॉक्स संक्रमण की पुष्टि हुई.

इन्हें भेजा गया केरल

केरल भेजी गयी केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नयी दिल्ली के विशेषज्ञों और स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ क्षेत्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यालय, केरल के विशेषज्ञ हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के एक पत्र में कहा गया है कि केरल के कोल्लम जिले में मंकीपॉक्स के एक मामले की पुष्टि के मद्देनजर, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीमारी की जांच में केरल सरकार का सहयोग करने और आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के लिए एक बहु–विषयक केंद्रीय टीम को भेजने का निर्णय लिया है.

मंकीपॉक्स के लक्षण

सीडीसी के अनुसार मंकीपॉक्स के लक्षण चिकनपॉक्स की तरह ही होते हैं. ये ज्यादा खतरनाक नहीं है. आइए जानते है क्या है मंकीपॉक्स के लक्षण

–सिरदर्द होना
–बुखार आना
–लिंफ नोड्स में सूजन होना
–शरीर में दर्द और कमर दर्द होनाउ –ठंड लगना
–थकान महसूस होना
–चेहरे और मुंह के अंदर छाले होना
–हाथ–पैर में रैशेज होना

खेत में काम कर रही महिला को सर्प ने काटा, हालत गंभीर जिला अस्पताल रेफर

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में खेत में काम कर रही महिला को सांप ने काट लिया जिससे उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है जहां पर हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल के लिए रिफर किया है बताते चलें कि बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के नया पुरवा गांव निवासी विनीता देवी उम्र 29 वर्ष पत्नी इंद्रपाल जो कि अपने खेतों में धान की रोपाई कर रही थी तभी घास में छिपे सर्प ने उन्हें डस लिया जिससे उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है इस घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को हुई तो आनन–फानन समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख जिला अस्पताल के लिए रिफर किया है ।

हैलट के डॉक्टर समेत 3 कर्मचारी बर्खास्त

कानपुर । हैलट अस्पताल के प्राचार्य डॉ संजय काला ने डॉक्टर और अस्पताल के कर्मचारियों की दलालों के साथ चल रही सांठगांठ को खत्म करने के लिए गुरुवार देर रात एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने हैलट की इमरजेंसी में तैनात एक जेआर और दो आउटसोर्स कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। करीब 15 दिनों पहले अस्पताल के जेआर, कर्मचारियों और दलालों के बीच का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। इसमें साफ़ तौर पर देखा जा सकता था कि कैसे दलालों के साथ सांठगांठ करके मरीजों को बाहर की दवाइयां देते थे। मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रो काला ने बताया, काफी समय से मुझे शिकायते मिल रही थी कि जेआर और अस्पताल के कर्मचारी की सांठगांठ से मरीजों को बाहर की दवाइयां मंगवाई जा रही है, जबकि यह दवाएं अस्पताल में मौजूद है। साथ ही कई शिकायतें इस तरह की भी मिलीं कि दलाल कर्मचारियों की मदद से निजी अस्पताल में शिफ्ट करवाते हैं। इसी के चलते आज मुझे यह कदम उठाना पड़ा। मेरा मुख्य एजेंडा अस्पताल के परिसर को दलालों से मुक्त कराना है। हैलट के कैंपस इंचार्ज डॉ गणेश शंकर ने कहा, जिस तरह से यहां पर दलालों का नेटवर्क चल रहा है उसे खत्म करने के लिए हमे कड़े कदम उठाने ही पड़ेगे। इसी लिए हम लोग समय–समय पर प्राचार्य के साथ इमरजेंसी और अन्य वार्ड का औचक निरीक्षण करते हैं ।

स्कूल जा रही बच्ची को रोडवेज बस ने मारी टक्कर

भड़के परिजनों ने चालक की जमकर की पिटाई

फतेहपुर । जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक रोडवेज बस ने स्कूल जा रही बच्ची को टक्कर मार दी जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है बताते चलें कि सदर कोतवाली क्षेत्र के वर्मा चौराहे पर एक मां अपने 2 बच्चों को स्कूल भेजने जा रही थी तभी एक रोडवेज बस ने बच्ची को टक्कर मार दी जिस से भड़के परिजन व दुकानदारों ने ड्राइवर को जमकर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया वहां मौजूद दुकानदारों का मानना है कि चौराहे के आसपास जो अवैध फल और सब्जियों के ठेले लगते हैं इससे अगल–बगल निकलने के लिए जगह नहीं रहती है जिससे आए दिन कोई ना कोई हादसा होता रहता है इस मामले की शिकायत स्थानीय दुकानदारों ने पुलिस से कई बार की है लेकिन पुलिस वसूली करने के चलते दुकानदारों पर कार्रवाई नहीं करती है मौजूद दुकानदारों व पब्लिक ने पुलिस पर सीधे आरोप लगाया है कि वह लगने वाले ठेले फल सब्जियों की दुकानों से अवैध वसूली करते हैं इसलिए दुकाने नहीं हटाई जाती और लगातार जाम की समस्या लगी रहती है इससे आए दिन हादसे होते रहते हैं ।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने तैयार किया सस्ता सर्फेक्टेंट, गन्ने की खोई से बनेंगे सस्ते साबुन, क्रीम, डिटर्जेंट

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने सस्ता सर्फेक्टेंट तैयार किया है। इससे साबुन, डिटर्जेंट, क्रीम तैयार किए जाएंगे। सर्फेक्टेंट सस्ता होने से प्रोडक्ट की कीमत भी कम हो सकेंगी। जिसका फायदा लोगों को ही मिलेंगी। संस्थान के विशेषज्ञों ने गन्ने की खोई से गैर आयनिक सर्फेक्टेंट बनाया है। मौजूदा सर्फेक्टेंट के मुकाबले एक तिहाई सस्ता है। तकनीक को पेटेंट भी कराया गया है। प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया, खोई से मिलने वाला सर्फेक्टेंट अपने आप नष्ट होने वाले है। इससे त्वचा को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। वातावरण में भी कोई असर नहीं आता है। इस सर्फेक्टेंट को संस्थान के कार्बनिक रसायन विज्ञान के असिस्टेंट प्रो विष्णु प्रभाकर श्रीवास्तव के निर्देशन में सीनियर रिसर्च फेलो अनुष्का कनोडिया ने तैयार किया है। प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया, ये तकनीक चीनी उद्योगों के लिए लाभदायक साबित होगी। मिलें कई इससे मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार कर सकेंगे।

विशेषज्ञ इस पर 2019 से काम कर रहे थे। खोई में सेल्युलोज, हेमिकेलुलोज और लिग्नि घटक होते हैं। हेमिकेलुलोज से ओ–अल्काइल पॉली पेंटोसाइड हासिल हुआ। इसका उपयोग डिटर्जेंट में फोम के गठन को बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग व्यक्तिगत देखभाग के उत्पाद बनाने वाले उद्योग में होता है।

इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में सटर काटकर चोरी, नगदी समेत लाखों का सामान पार

फतेहपुर । जनपद के गाजीपुर थाना क्षेत्र में एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में अज्ञात चोरों ने शटर काटकर नगदी समेत लाखों रुपए की संपत्ति पार कर दिया बताते चलें कि जनपद के गाजीपुर थाना क्षेत्र के परसेडा गांव निवासी स्वामी प्रसाद की गांव में ही इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है जिस में बीती रात अज्ञात चोरों ने शटर काटकर नगदी समेत लाखों रुपए की संपत्ति पार कर दी इसकी जानकारी जब दुकान मालिक स्वामी प्रसाद को हुई तो इस घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच पड़ताल की और तहरीर देने की बात कही दुकान मालिक स्वामी प्रसाद ने बताया कि मकान के बाहर इलेक्ट्रॉनिक की दुकान हैजो बीती रात करीब 10 बजे दुकान बंद कर अपने घर चले गए जो मकान के दूसरे खंड पर रहते हैं बताया कि नीचे दुकान के शटर का ताला काटकर अज्ञात चोरों ने नगदी समेत लाखों रुपए की संपत्ति पार कर दी थानाध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है चोरों की तलाश की जा रही है ।

एंबुलेंस में महिला ने दिया बच्चे को जन्म, जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ

कानपुर । घाटमपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम रडौली में महिला को प्रसव के दौरान हुई पीड़ा जिस पर एंबुलेंस को दी गई जानकारी मौके पर पहुंची एंबुलेंस महिला को प्रसव के दौरान घाटमपुर सीएससी ला रही थी उसी बीच रास्ते में महिला को प्रसव के चलते अचानक दर्द होने लगा, जिस पर एंबुलेंस सहयोगी प्रसव पीड़ा को देखते हुए एंबुलेंस रास्ते में एक साइड खड़ी कर महिला का प्रसव कराया, और बताया कि महिला व बच्चा दोनों स्वस्थ हैं एमटी बालक राम ने चालक उमाकांत आशा बहू रानी देवी की मदद से प्रसव कराया जानकारी के अनुसार बता दें कि घाटमपुर तहसील क्षेत्र के रडौली गांव निवासी अर्जुन सिंह की पत्नी सुषमा देवी ने एंबुलेंस में दिया बच्चे को जन्म जिस पर जच्चा बच्चा दोनों को घाटमपुर सीएससी लाया गया और दोनों को भर्ती कराया गया । एंबुलेंस स्टाफ ने बताया कि जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ है ।

कार से टक्कर के बाद खंती में जा पलटी डबल डेकर बस, एक की मौत 8 घायल

बहराइच । जरवलरोड थाना क्षेत्र में एक डबल डेकर बस ने कार को टक्कर मार दी। इसके बाद अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। हादसे में कार चालक की मौत हो गई और साथी घायल हो गया। जबकि बस में सवार 7 लोग भी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। एक डबल डेकर बस दिल्ली से बहराइच आ रही थी। थाना क्षेत्र के लखनऊ–बहराइच हाईवे पर पानी की टंकी के पास कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार चालक अशोक यादव निवासी गांव बड़नपुर गनेशपुर थाना रामनगर, बाराबंकी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार में साथ बैठे जतिन चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी तरफ बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। बस में सवार विनोद (22), पंकज (25) निवासी गांव इंद्रापुर बाजार, थाना पयागपुर, बैंकबाबू (32), निवासी गांव कांधीकुइयां, थाना पयागपुर, प्रीति श्रीवास्तव (25) निवासी गांव बेनी प्रसादपुरवा, थाना विशेश्वरगंज, प्रमोद (27) निवासी गांव बेलवा, थाना विशेश्वरगंज, मंत्रराज सिंह (10) निवासी गांव कटघरा रानीपुर, थाना विशेश्वरगंज, अनीता सिंह (30) गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर थानाध्यक्ष राजेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बताया कि घायलों

को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंदा, हुई दर्दनाक मौत

उन्नाव । अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को कुचल दिया। मौके पर युवक की मौत हो गई। युवक दोस्त को छोड़कर घर लौट रहा था। पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। हादसा दोस्तीनगर गांव में फायर स्टेशन के पास हुआ। मृतक का नाम विनोद कुमार है। वह सदर कोतवाली क्षेत्र के हुसैननगर मोहल्ला का रहने वाला था। विनोद लंबे समय से गहरा की एक फैक्ट्री में काम करता था। बीती रात छुट्टी होने पर फैक्ट्री से साथी को छोड़ने के लिए बाइक से दोस्तीनगर गांव आया था। साथी को गांव में छोड़ने के बाद वह देर रात बाइक से घर लौट रहा था। इसी दरम्यान फायर स्टेशन के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार कर कुचल दिया। हादसे में फैक्ट्री युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

सड़क के किनारे पड़ा देख लोगों ने सूचना पुलिस को दी। दोस्तीनगर चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने जांच पड़ताल कर परिजनों को सूचना दी। आवश्यक कार्रवाई पूरी की गई। दरोगा ने घटना की जानकारी फोन के जरिए परिजन को दी। विनोद की दो बेटी आदिति और अविका

और एक बेटा आर्यन है। मौत की खबर सुनकर के पत्नी रो–रोक बेसुध हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से भागने में सफल रहा। पत्नी ने सदर कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज करवाया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में दो दुकानों में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

औरैया । सदर बाजार होमगंज में अज्ञात कारणों से दो दुकानों में देर रात आग लगने से लगभग नौ लाख का सामान जलकर राख हो गया। आग से बाबाजी चश्मा दुकान के संचालक राहुल की दुकान में आग से छह लाख का सामान जल गया। वहीं कल्लू दूध भंडार के मालिक अरुण कुमार की दुकान का लगभग तीन लाख का सामान जलकर राख हो गया। फायर बिग्रेड ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया। बजार में ड्यूटी कर रहे होमगार्ड अगर जल्द कोतवाली या फायर बिग्रेड को सूचना दे देते तो इतना नुकसान न होता, लेकिन होमगार्ड बोले कि उनके मोबाइल में बैलेंस नहीं था। इस पर व्यापारियों में आक्रोश भी है। होमगंज बाजार में कल्लू दूध भंडार व बाबा चश्मे की दुकान है। गुरुवार रात कल्लू दूध भंडार के संचालक अरुण व बाबा चश्में वाले राहुल दुकान बंद करके गए। रात में किसी कारण से कल्लू दूध भंडार में आग लग गई।

आग ने एकदम विकराल रूप धारण कर लिया और चश्मे की दुकान को भी चपेट में ले लिया। ड्यूटी कर रहे होमगार्ड आग लगते देखते रहे। मोहल्ले वालों ने जब जाना तब दुकानदार और फायर बिग्रेड को सूचना दी। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ियों में आग पर काबू पाया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मसक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उधर ड्यूटी पर तैनात होमगार्डों द्वारा आग लगने की स्थिति में

कोतवाली और फायर ब्रिगेड को सूचना किए जाने की कहने पर उनके द्वारा मोबाइल में बैलेंस न होने की बात कहकर जिम्मेदारी टालने को लेकर व्यापारियों में खासा आक्रोश व्याप्त है। व्यापारियों ने एसपी से ऐसे नाकारा कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

एक सप्ताह में लगे 22 सौ पौधे, एडिशनल एसपी के पहल की सराहना

उन्नाव । चांदमारी स्थित पुलिस विभाग की भूमि पर एक सप्ताह में 22 सौ पौधे लगाए जा चुके हैं। एडिशनल एसपी शशि शेखर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि विभाग की 24 बीघा भूमि को नगर पालिका ने 30 साल से कूड़ा डंपिंग ग्राउंड बना रखा था। एक हफ्ता पहले उस पर पौधरोपण करने का निर्णय लिया गया था। इसकी शुरुआत उन्होंने पौधे लगाकर की थी। यहां पौधे लगाने का लक्ष्य पांच हजार है। एडिशनल एसपी की इस पहल की लोगों ने सराहना

की है। लोगों का कहना है कि यहां डंप कर जलाए जाने वाले कूड़े से लोगों को सांस लेने में तकलीफ होती थी। अब यहां पर पौधरोपण होने से स्वस्थ्य हवा मिल सकेगी।

एडिशनल एसपी ने बताया कि चांदमारी की भूमि पर फायरिंग रेंज बनी है। पहले यहां पुलिसकर्मियों और रिक्रूटों को फायरिंग का प्रशिक्षण दिया जाता था। फतेहपुर चौरासी के काली मिट्टी में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र खुलने के बाद इसे बंद कर दिया गया था।

एक लाख रुपये के लिए विवाहिता को घर से निकाला

विवाहिता ने कोतवाली पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

हमीरपुर । राठ कोतवाली क्षेत्र के बसेला गांव में एक लाख रुपये दहेज को लेकर ससुरालीजनों ने विवाहिता को पीटकर घर से बाहर निकाल दिया। उसका मंगलसूत्र, मोबाइल व दोनों बच्चों को भी छीन लिया। शुक्रवार को पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर दी। उसने ससुरालीजनों पर कार्रवाई की मांग की है। मामला राठ कोतवाली क्षेत्र के बसेला गांव का है। तमन्ना ने दी तहरीर में बताया कि उनका विवाह तीन साल पहले इसी गांव के सुगंध के साथ हुआ था। उनके दो बच्चे भी हैं। पति सुगन्ध, ससुर स्वामीदीन व सास मीरा शादी के बाद से ही दहेज के लिए

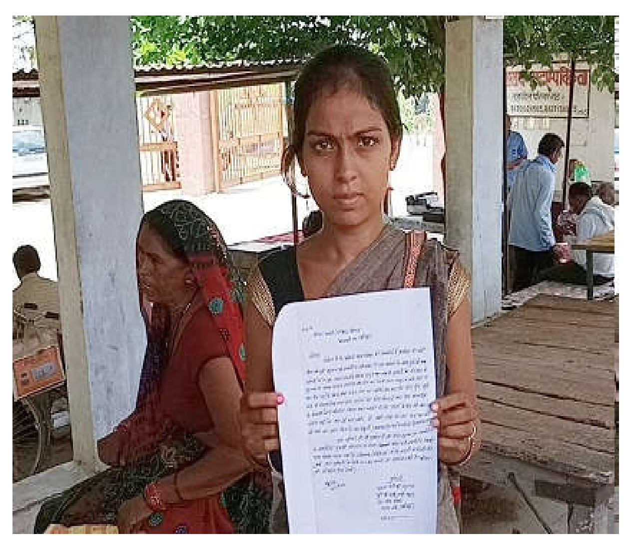

प्रताड़ित करने लगे। वे लोग आए दिन मारपीट करते और गालियां देते। इतना ही नहीं, उसे मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया जाता था। बीते 3 दिनों से एक लाख रुपये की मांग कर रहे थे। इसे लेकर मारपीट करते थे। कहा कि आज पति व सास–ससुर उसे घर से बाहर घसीटते हुए लेकर आए और निकाल दिया। ससुरालीजनों ने मंगलसूत्र, मोबाइल छीन लिया।

दोनों बच्चों को भी अलग कर दिया। पीड़िता ने राठ कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। राठ कोतवाली के इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने बताया कि दहेज प्रताड़ना को लेकर तहरीर मिली है। मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

श्मशान घाट में बने प्रतीक्षालय में दबंगों का कब्जा, बांध रखे हैं जानवर

औरैया । बिधूना क्षेत्र में अरिन्द नदी के किनारे बने श्मशान घाट पर दबंगों का कब्जा है। यहां अंत्येष्ठि में शामिल होने के लिए आए लोगों के बैठने के लिए प्रतीक्षालय बना है। इसमें पशुओं को बांध कर कब्जा किया गया है। इस कारण आने वाले लोगों को कड़ी धूप या पेड़ों के नीचे खड़े होने को मजबूर होना पड़ता है। नदी पुल के पास स्थित श्मशान घाट में बने प्रतीक्षालय को दबंगों ने पशुशाला बना दिया है। अंत्येष्ठि के समय कोई व्यक्ति इस प्रतीक्षालय के पास जाकर खड़ा भी होना चाहे तो जानवर उन्हें मारने को दौड़ते हैं। गुरुवार को नगर के सामाजिक कार्यकर्ता विष्णुकांत शुक्ला गुड्डू की मौत हो जाने पर नगर के लोग जब उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने घाट गए तो देखा कि वहां पर बने घ्प्रतीक्षालय में आस–पास के लोगों द्वारा जानवर बांधे गए

हैं। इस दौरान दुर्गेश त्रिपाठी व धनंजय सिंह सेंगर ने इसे नगर पंचायत प्रशासन की उदासीनता बताया। कहा कि यदि नगर पंचायत चाहे तो व्यक्ति कितना भी दबंग क्यों न हो प्रतीक्षालय में जानवर नहीं बांध सकता है। संदीप सिंह व अनिल मिश्रा ने कहा कि यहां आया दो देखा कि प्रतीक्षालय में जानवर बंधे हैं। आस–पास के लोगों ने प्रतीक्षालय में जानवर बांध कर अतिक्रमण कर रखा गया है। इस कारण लोगों को या तो धूप में या पेड़ के नीचे खड़ा होना पड़ा। प्रतीक्षालय में बैठने के लिए बनीं सीमेंट की पटियां तक तोड़ दी गई हैं। जनकल्याण समिति के संस्थापक मास्टर महावीर प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि समिति के प्रयास से नगरवासियों के सहयोग व सांसद व विधायक निधि से श्मशान घाट पर प्रतीक्षालयों का निर्माण कराया गया था। इसकी देखरेख व रखरखाव का जिम्मा नगर पंचायत का है। मगर वहां आसपास रहने वाले लोगों द्वारा प्रतीक्षालय को न केवल क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। बल्कि, जानवर बांध कर कब्जा भी कर रखा है। अधिशासी अधिकारी मधुरमय निषाद ने कहा कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। यदि ऐसा है तो प्रतीक्षालय में बंधने वाले जनवरों को वहां से तत्काल हटवाया जाएगा। साथ ही ऐसे लोगों को नोटिस भी जारी किया जाएगा। ताकि वह प्रतीक्षालय में भविष्य में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न कर सकें।

23 किलो गांजे के साथ पच्चीस हजार के इनामी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हमीरपुर । गांजा तस्करी के मामले में वांछित चल रहे छत्तीसगढ़ के बड़े गांजा तस्कर और पच्चीस हजार रुपये के इनामी को थाना पुलिस ने गांजा की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजा तस्करी के मामले में वांछित चल रहा था। जिसके कारण उस पर पुलिस द्वारा पच्चीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस समय क्षेत्र में गांजा, शराब सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी जोरों पर है। क्योंकि बेरोजगारी के साथ ही भीषण महंगाई के इस दौर में पैसे की खनक के आकर्षण के चलते क्षेत्र के भोले भाले युवाओं को बड़े माफिया अपने जाल में आसानी से फंसा लेते हैं और उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना से छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश के रास्ते सस्ता गांजा लाकर क्षेत्र में मुंह मांगे दामों में बेचकर भारी मुनाफा कमाने के साथ ही क्षेत्र के युवाओं को खराब कर रहे हैं। हालांकि कानपुर दुर्ग बेतवा एक्सप्रेस इनके लिए सोने पे सुहागा का काम करती है। ट्रेन सेवा बंद होने पर गांजा तस्कर सड़क मार्ग से तस्करी शुरू कर देते हैं। साल की शुरुआत

में बिंवार पुलिस ने एक ट्रक से करीब आठ कुंतल गांजा बरामद किया था और दो युवकों को भी गिरफ्तार किया था। लेकिन गांजा तस्करी का मास्टर माइंड फरीद मोहम्मद पुत्र शरीफ मोहम्मद उर्फ सप्पू निवासी बाधू पूर्वी तरौस पुलिस की पकड़ से दूर रहा था। पुलिस ने आरोपी को फरार घोषित कर मुकदमे में वांछित घोषित किया था। जिसकी तलाश में जगह जगह छापेमारी की गई थी, लेकिन पुलिस की पकड़ से बाहर रहने के कारण बिंवार पुलिस ने आरोपी पर पच्चीस हजार रुपये इनाम घोषित किया था। पुलिस की लगातार मेहनत रंग लाई और बिंवार पुलिस ने आरोपी फरीद मोहम्मद को गांजा की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल कर ली। इसी मामले में पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तार करने वाली टीम को पच्चीस हजार रुपये इनाम की घोषणा की है। थाना प्रभारी बिंवार ने बताया कि आरोपी को थाना क्षेत्र के ग्राम उमरी के कुछ आगे दातादाई के मंदिर के निकट से 23 किलो से अधिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजा तस्करी के मामले में वांछित चल रहा था। जिस पर पुलिस ने इनाम घोषित किया था।

सरकारी स्कूलों में अभी तक नहीं आई किताबें

पुरानी किताबों से पढ़ने को मजबूर बच्चे

श्रावस्ती । परिषदीय विद्यालयों को खुले करीब एक महीने हो गए। बावजूद इसके अभी तक विद्यालय में किताबें नहीं उपलब्ध कराई गई है।वही जिसके चलते मजबूरन बच्चों को पुरानी किताबों से ही पढ़ना पढ़ रहा है। इससे बच्चों की पढ़ाई पिछड़ रही है। शिक्षकों ने बताया गया कि शासनादेश के अनुसार जब तक नई किताबें नहीं आती हैं तब तक पुरानी किताबों से ही बच्चों को पढ़ाया जाएगा। उच्च प्राथमिक विद्यालय, इमलिया करनपुर के शिक्षक तपन कुमार मंडल के द्वारा बताया कि शासनादेश आया था कि अप्रैल में सत्र समाप्त होने के बाद जब सत्र शुरू होगा।तो पुरानी किताबें लेकर बच्चों को पढ़ाया जाएगा। जुलाई में नई किताबें आएंगी। तब बच्चों को बांटी जाएंगी। जुलाई का आधा महीना बीत चुका, लेकिन अब तक जिले में किताबें नहीं आई हैं। किताबें न

होने से बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रही और उनका भविष्य अधर में लटका है। कहीं कहीं पर तो स्थिति ये है कि बच्चे बिना किताब के ही पढ़ाई करने को मजबूर हैं।